UGC NET PAPER 3 DECEMBER 31, 2005 SHIFT 1 SOCIOLOGY QUESTION PAPER

D–0505

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

"It is at times held that theory is comprised of concepts, an assertion which, being incomplete, is neither true nor false but vague. To be sure, conceptual analysis, which is confined to the specification and clarification of key concepts, is an indispensable phase of theoretic work. But an array of concepts - status, role, Gemeinschaft, social interaction, social distance, anomie - does not constitute theory, though it may enter into a theoretic system. It may be conjectured that, is so far as an antitheoretic bias occurs among sociologists, it is in protest against those who identify theory with clarification of definitions, who mistakenly take the part for the whole of theoretic analysis. It is only when such concepts are interrelated in the form of a scheme that a theory begins to emerge. Concepts, then, constitute the definitions (or prescriptions) of what is to be observed, they are the variables between which empirical relationships are to be sought. When propositions are logically interrelated, a theory has been instituted."

यह समय समय पर स्वीकार किया गया था कि धारणाओं को समाविष्ट करके ही सिद्धान्त का निर्माण होता है, कोई दावा, जो अपूर्ण हो, वह न सही होता है न गलत लेकिन अस्पष्ट होता है। यह निश्चित करने के लिए धारणागत

विश्लेषण, जो मूल धारणाओं के विशेषीकरण और स्पष्टीकरण में सीमित हो – यह सैद्धान्तिक कार्यों की एक अपरिहार्य अवस्था होती है। लेकिन धारणाओं का क्रम विन्सास – प्रस्थिति, भूमिका, जेमैनशेफ्ट, सामाजिक अन्त:क्रिया, सामाजिक दूरियाँ, प्रामाणिक शून्यता – ये सिद्धान्त का निर्माण नहीं करते यद्यपि ये सैद्धान्तिक पद्धति के अन्तर्गत आ जाते हैं। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जहाँ तक हो सके प्रति-सैद्धान्तिक पूर्वाग्रह समाजशास्त्रियों के मध्य ही होता है, यह उनके विरोध में है जो परिभाषाओं के माध्यम से सिद्धान्त को स्पष्ट करते हैं, वे गलती से किसी एक अंश को सम्पूर्ण सैद्धान्तिक विश्लेषण मान लेते हैं। यह तभी होता है, जब ऐसी धारणायें, किसी योजना के रूप में, अन्तरसम्बद्ध होते थे, तब एक सिद्धान्त की उत्पत्ति होती है। तब धारणायें अवधारणाओं (निर्धारणों) का निर्माण करती थी, जिसका अनुसरण किया जाता था। वे सभी परिवर्त्तनशील थे, जिनके मध्य अनुभवसिद्ध सम्बन्धों की खोज की जानी चाहिए। जब प्रस्ताव तार्किक रूप से अन्तर्सम्बन्धित हैं, तब एक सिद्धान्त का निर्माण होता था।

1. What is the major theme/s of the above paragraph ?
उपरोक्त परिच्छेद का प्रमुख विषय क्या है?

2. What, according to the author, is unavoidable in theoretical work ?

लेखक के अनुसार सैद्धान्तिक कार्यों में किस से नहीं बचा जा सकता है?

3. What, according to the author, is the mistaken notion of what theoretical work is about ?

लेखक के अनुसार सैद्धान्तिक कार्यों के विषय में जो गलत अवधारणायें क्या हैं?

4. What, according to the author, is the role played by 'concepts' ?

अवधारणाओं की भूमिका के विषय में लेखक के क्या विचार हैं?

5. When, according to the author, concepts form a theory ?

लेखक के अनुसार अवधारणाओं से सिद्धान्त बनते हैं, कब?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What does Goffman mean by 'total institution' ?

गॉफमन के अनुसार 'टोटल इन्स्टिट्यूशन' (सम्पूर्ण संस्था) क्या है?

7. Briefly outline the salient features of the 'process of alienation' as described by the neo-marxist writers

नव-मार्क्सवादियों द्वारा वर्णित 'अलगाव की प्रक्रिया' की प्रमुख विशेषताएं स्पष्ट कीजिये।

8. Present a brief sketch of the theory of structuration enunciated by Anthony Giddens.

एन्थनी गिड्डेन्स का 'संरचनाकरण सिध्दांत' संक्षेप में बताइये।

9. Write a brief note on factors that help India set an example of maintaining 'unity in diversity'.

'भारत में विविधता में एकता बनाए रखनेवाले घटकों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

10. Analyse the emergence of caste identity as an important ingredient in the political process in India.

भारत में राजकीय प्रक्रिया में जाति अस्मिता का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपादान है। विश्लेषण कीजिये।

prepp Your Personal Exam Guide

11. Comment on 'Indological approach' of G.S. Ghurye.

जी.एस. घुरिये की भारतविद्या परिप्रेक्ष्य पर टिप्पणी कीजिये।

12. Analyse 'Marxian Perspective' of A.R. Desai.

ए.आर. देसाई का मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य लिखिये।

prepp Your Personal Exam Guide

www.prepp.in

13. Discuss the main facets of 'Subaltern Perspective' propounded by B.R. Ambedkar.

बी.आर. अम्बेडकर द्वारा प्रस्तुत दलितवादी परिप्रेक्ष्य के प्रमुख पहलुओं की चर्चा करें।

14. Define 'ethnic disharmony'.

जातीय असामंजस्य की परिभाषा लिखिये।

Your Personal Exam Guide

15. Outline the steps involved in 'Population Projection'.

लोकसंख्या प्रक्षेपण में सम्मिलित प्रक्रिया की रूपरेखा बताइए।

16. Comment on treating suicide as a deviant behaviour.

आत्महत्या एक विचलित व्यवहार है, टिप्पणी कीजिये।

17. Briefly list the reasons for ecological degradation.

पारिस्थितिकीय पतन के कारण संक्षेप में लिखें।

18. Define what is cultural pluralism ?

'सांस्कृतीक बहुलतावाद' की परिभाषा लिखें।

19. Discuss the consequences of Privatisation on Education.

शिक्षा के निजीकरण के परिणामों की चर्चा करें।

20. Indian society is neither modern nor traditional, comment.

'भारतीय समाज न आधुनिक है न पारंपरिक, टिप्पणी कीजिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

Rural Sociology

ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Discuss the changes in Agrarian class structure brought out by the introduction of modern technology in the Agricultural Sector.

    कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के प्रयोग से कृषक वर्ग रचना में बदलाव आया है, इस की चर्चा करें।

22. "Panchayat Raj system after the passing of the 73rd amendment has altered the traditional power structure in the rural areas of several states". Comment.

    ''73 वां संशोधन से पंचायती राज व्यवस्था में ग्रामों की पारम्परिक सत्ता रचना में बदलाव आया है।'' टिप्पणी कीजिये।

23. "In a democracy only numerically dominant majority gains power and as a result traditional views on 'dominant castes' have to be modified". Discuss the relevance to this statement to the present rural scenario in India.

    ''जनतंत्र व्यवस्था में आँकड़ो के आधार पर प्रभुत्व प्राप्त जाति सत्ता प्राप्त करती है परिणामत: प्रभुत्व प्राप्त जाति को पारंपरिक विचारों में बदलाव लाना पड़ता है।'' समकालीन ग्रामीण परिदृश्य में इस कथन का विवेचन करें।

24. "Mechanisation of Agriculture has reduced the demand for agricultural labourers in the rural areas triggering movement of people". Comment.

''ग्रामीण क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण से कृषक मजदूर की मांग घटी है जिस से मजदूर आंदोलन आरम्भ होने के संकेत मिलते है।'' टिप्पणी करें।

25. "Indian development policy has been marked by urban bias and rural neglect". Comment.

''भारतीय विकास-नीति, नगरीय पूर्वाग्रह एवं ग्रामीण उपेक्षा को दर्शाती है।'' टिप्पणी करें।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

Industry and Society

उद्योग एवं समाज

21. Discuss the characteristics of Industrial Society in the Classical Sociological tradition.

शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा में औद्योगिक समाज की विशेषताओं की चर्चा करें।

22. "Rapid Pace of industrialisation was not possible in Indian society till now, because profit making was normatively looked down". Discuss this statement providing arguments for and against.

'अभी तक भारतीय समाज में तीव्र गति से औद्योगीकरण होना संभव नहीं था क्योंकि मुनाफा कमाने का आदर्श तुच्छ समझा जाता रहा' - इस कथन के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करें।

23. Discuss the role of industrialisation in Indian Society.

भारतीय समाज में औद्योगीकरण की भूमिका की चर्चा करें।

24. Explain the role of trade unions in protecting the welfare of workers in the organised sector.

संघटित क्षेत्र में मजदूरों के हित को सुरक्षित रखने में मजदूर संघ की भूमिका की व्याख्या करें।

25. "Indian labour policy is excussively pro-poor and this has been a major impedment in the flow of foreign capital which would have hastened the pace of industrialisation" comment.

'भारतीय मजदूर नीति का झुकाव गरीबों के पक्ष में होने के कारण विदेशी धन पाने में मुख्य बाधा आयी जिससे औद्योगीकरण की गति में वृद्धि नहीं हो सकी' – इस कथन पर चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

Sociology of Development

विकास का समाजशास्त्र

21. Discuss the salient features of the concept of 'sustainable development'.

संपोषक विकास अवधारणा की प्रमुख विशेषताएँ लिखें।

22. Outline the major features of wallerstein's world system perspective.

वालरस्टिन के 'विश्व व्यवस्था सिद्धाँत' की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

23. Explain Gandhian approach to development and discuss its relevance to present Indian society.

गाँधीवाद विकास सिद्धाँत की व्याख्या करें एंव समकालीन भारतीय समाज में इस सिद्धाँत का क्या महत्व है?

24. "Development in India has widened existing socio-economic disparities" comment

"भारत में हुए विकास से सामाजिक एंव आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है।" टिप्पणी करें।

25. "Mushrooming growth of caste based organizations has hindered rapid industrial change". Discuss.

''अत्यधिक मात्रा में जाति के आधार पर बनने वाले संगठनों के कारण औद्योगीक परिवर्तन की तीव्रता में कमी आयी है।'' इस कथन का विवेचन करें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

Population & Society

जनसंख्या एवं समाज

21. Outline salient features of Malthusian Population Theory.

माल्थसवादी जनसंख्या सिध्दांत की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

22. Discuss the regional pattern of population change in India since independence.

स्वतंत्रता के बाद जनसंख्या में आये क्षेत्रिय बदलाव की चर्चा करें।

23. Discuss the processes through which social structure influences fertility in the Indian context.

''भारतीय संदर्भ में संरचनात्मक सामाजिक प्रक्रिया, जन्म दर पर प्रभाव डालती है'' - चर्चा करें।

24. Discuss any one theory of migration applicable to rural-urban migration in India.

प्रव्रज़न के किसी एक सिध्दांत की चर्चा करें एवं ग्रामीण-नगरीय प्रव्रज़न में इस सिध्दांत की उपयुक्तता दर्शाइए।

25. Discuss the population policies of the Government of India.

भारत सरकार की जनसंख्या नीतियों की चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

Gender & Society

लिंग एवं समाज

21. State how social construction of gender takes place in India.

भारत में लिंग का सामाजिक निर्माण कैसे होता है? इसे स्पष्ट कीजिए।

22. Explain the major dimensions of gender inequality.

लिंग असमानता के प्रमुख पहलूओं की व्याख्या करें।

23. Discuss radical theory of gender.

लिंग संबंधी आमूल परिवर्तनवादी सिध्दान्त की व्याख्या करें।

24. Take a review of developmental schemes for women's development.

नारी विकास में विकासात्मक योजनाओं का क्या योगदान है। समीक्षात्मक उत्तर दें।

25. "Do you think that welfarist perspective would empower the women in Indian society" comment.

''क्या आप मानते हैं कि कल्याणकारी योजनाओं से नारी सशक्तिकरण हो सकता हैं'' – टिप्पणी करें।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Your Personal Exam Guide

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Globalisation has engendered privatisation and deregulation in various sectors of Indian society. Discuss the consequences of these processes for the Indian social organisation and prospects for the emergence of a casteless society.

वैश्वीकरण से निजीकरण एवं अनुबन्धनहीनता को भारत के कई क्षेत्रों में प्रोत्साहन मिला है। इस प्रक्रिया का भारतीय सामाजिक व्यवस्था एवं जातिनिरपेक्ष समाज के निर्माण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। चर्चा कीजिये :

OR / अथवा

Comment on the impact of 'great-digital divide' on social transformation in India using the "technology-social change frame-work".

तकनीकी सामाजिक परिवर्तन के प्रयोग से भारत में सामाजिक परिवर्तन पर ''ग्रेट-डिजीटल डिवाईड'' का क्या प्रभाव पड़ा है? आलोचना कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....